11 भारतगान

इस कविता में कवि ने भारत भूमि का गुणगान किया है। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान की चंद्रमा तक पहुँच और वैज्ञानिकों का उल्लेख किया है। भारत भूमि की प्राकृतिक छटा, विराटता और समृद्धि का वर्णन किया है। अनेकता में एकता का बखान किया है।

दुनिया में सबसे न्यारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

सारे जगत को अपना परिवार मानता है,
इस नीति को हमारी संसार जानता है,
सद्भाव का सितारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

सबको सखा समझकर संशयरहित सुकोमल,
जितने वसुंधरा पर हैं दीन-हीन-दुर्बल,
देता उन्हें सहारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

धरती पे स्वर्ग की है यदि कल्पना कहीं पर,
वह मूर्त रूप लेती सच मानिए यहीं पर,
कश्मीर का शिकारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

उत्तर खड़ा हिमालय बन वीर-धीर प्रहरी,
दक्षिण सतत सुनाए सागर समृद्धि लहरी,
पूरब प्रकाश द्वारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

स्वाधीनता दिलाए इसको सपूत गांधी,
विज्ञान की जवाहर इसमें बहाए आँधी,
तकनीक का पिटारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

इस तथ्य को कदाचित विद्यार्थियों न बिसरो,
स्पेस को खँगाले दिन-रात मित्र 'इसरो',
ब्रह्मांड का इशारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

जल, जीव और जीवन-संभावना शशि पर,
वैज्ञानिकों की टोली है खोजती निरंतर,
दे चंद्रयान नारा अपना महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

जिनके प्रयत्न से ये उपलब्धियाँ मिली हैं,
उनका ऋणी यहाँ का हर फूल हर कली है,
है कल्पना, सुनीता का यह महान भारत,
है जान से भी प्यारा अपना महान भारत।

— *रमाशंकर सिंह 'दिव्यदृष्टि'*

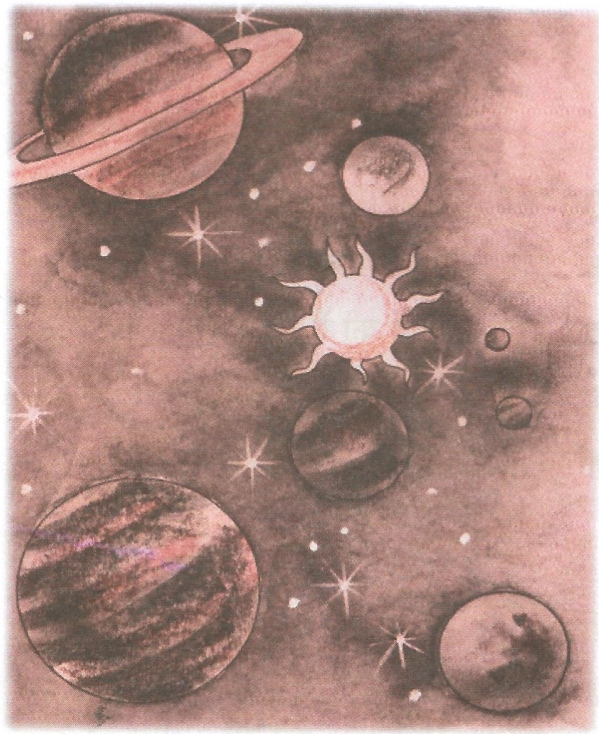

कवि परिचय : रमाशंकर सिंह 'दिव्यदृष्टि' का जन्म उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद के मिटारा गाँव में जनवरी 1955 में हुआ। मैट्रिक तक की शिक्षा के बाद अध्ययन छूट गया। कालांतर में इस सदी के आरंभिक दशक में हिंदी में एम.ए. किया। नवभारत टाइम्स के कुंडलिया स्तंभ 'तीखी नज़र' में 1988 से समसामयिक विषयों पर काव्यात्मक कटाक्ष करते आ रहे हैं।

पाठ मूल्यांकन

अभ्यास

शब्दार्थ

न्यारा – जो बिलकुल अलग हो, अपूर्व, विचित्र; **सद्भाव** – सज्जनता; **संशयरहित** – संदेहरहित; **मूर्त** – साकार, ठोस; **शिकारा** – कश्मीरी लंबी नाव जिसके बीच में बैठने का छायादार स्थान होता है; **तकनीक** – टेक्नोलॉजी; **बिसरो** – भूलो; **स्पेस** – अंतरिक्ष; **इसरो** – भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंग्रेज़ी नाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन का संक्षिप्त रूप; **चंद्रयान** – चंद्रमा पर पहुँचा भारत का पहला अंतरिक्ष यान; **ऋणी** – कर्ज़दार

Skills/Learning on this Page: • **Word Power** • **जीवन-मूल्य** – देश-प्रेम, त्याग, समर्पण, प्राकृतिक सौंदर्य, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ